शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ,दिल्ली

अभ्यास प्रश्न पत्र (सत्र : 2023 - 2024)

कक्षा – बारहवीं   विषय : समाजशास्त्र (कोड : 039)

अवधि: 3 घंटे   अधिकत्तम अंक: 80

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न पत्र को चार खंडों में बांटा गया है।

2. कुल 35 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. खंड क में प्रश्न संख्या 1-16 है । ये बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रश्न के अनुसार, एक उत्तर हो सकता है।

4. खंड ख में प्रश्न संख्या 17-25 है । ये बहुत ही लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

5. खंड ग में प्रश्न संख्या 26-32 है। ये लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

6. खंड घ में प्रश्न संख्या 33- 35 है । ये दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

7. प्रश्न संख्या 33 का उत्तर दिए गए ग्राफिक्स की मदद से देना है। प्रश्न संख्या 34 का उत्तर दिए गए गद्यांश की सहायता से देना है ।

	खण्ड [क]	
1	अभिकथन(A) : राष्ट्रीय आपातकाल की अवधि (1975-76) में परिवार नियोजन के कार्यक्रम को गहरा धक्का लगा। कारण (R) : आपातकालीन स्थिति में, सामान्य संसदीय और वैध प्रक्रियाएँ सुचारु रूप से चलती रहीं । (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। (ख) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है। (ग) A सही है लेकिन R गलत है। (घ) A गलत है और R सही है।	1
2	जनसांख्यिकीय आँकड़े , क्यों एकत्रित किए जाते हैं - (क) आँकड़े एकत्रित करने के लिए (ख) राज्य की नीतियाँ , विशेष रूप से आर्थिक विकास और सामान्य जन कल्याण संबंधी नीतियाँ बनाने और कार्यान्वित करने के लिए (ग) सामान्य जन कल्याण संबंधी नीतियाँ बनाने के लिए (घ) सामाजिक विकास के लिए	1

3	जाति , _______________से निर्धारित होती है । (क) जन्म (ख) भाईचारे (ग) जान - पहचान (घ) कर्म	1
4	महात्मा गांधी और बाबा साहेब अंबेडकर दोनों ने ही 1920 के दशक से _________________के विरुद्ध अपने विरोधांदोलन शुरू कर दिये थे । (क) अस्पृश्यता (छुआछूत) (ख) सती प्रथा (ग) जाति प्रथा (घ) बाल विवाह	1
5	हरित क्रांति के अधिकतर क्षेत्रों में मूल रूप से मध्यम तथा बड़े किसान ही नयी तकनीक का लाभ उठा सके। इसका कारण यह था कि इसमें किया जाने वाला निवेश महँगा था जिनका व्यय छोटे तथा सीमांत किसान उठाने में उतने सक्षम नहीं थे जितने कि बड़े किसान । जब कृषक मूल रूप से स्वयं के लिए उत्पादन करते हैं, तथा बाजार के लिए उत्पादन करने में असमर्थ होते हैं तब उन्हें जीवननिर्वाही कृषक कहा जाता है तथा आमतौर पर उन्हें कृषक की संज्ञा दी जाती है। काश्तकार अथवा किसान कौन है - (क) वे हैं जो परिवार की आवश्यकता के लिए उत्पादन करने में सक्षम होते हैं (ख) वे हैं जो बाज़ार की आवश्यकता के लिए उत्पादन करने में सक्षम होते हैं (ग) वे हैं जो परिवार और बाज़ार की आवश्यकता के लिए उत्पादन करने में सक्षम होते हैं (घ) वे हैं जो परिवार की आवश्यकता से अधिक अतिरिक्त उत्पादन करने में सक्षम होते हैं	1
6	सामाजिक स्तरीकरण पीढ़ी-दर-पीढ़ी बना रहता है । यह परिवार और सामाजिक संसाधनों के एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी में किस रूप में घनिष्ठता से जुड़ा है ? (क) अधिकार के (ख) सम्मान के (ग) व्यक्तिगत (घ) उत्तराधिकार के	1
7	पुराने और वर्तमान _____________भेदभाव को दूर करने और उससे हुई क्षति की पूर्ति करने के लिए राज्य की ओर से जो सबसे महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है उसे आम लोगों में ___________________ के नाम से जाना जाता है । (क) राजनैतिक , कानून (ख) धार्मिक , न्याय (ग) सामाजिक , सत्ता (घ) जातीय , आरक्षण	1

DoE,Delhi

https://www.evidyarthi.in

8	भारत में यह भारत की भाषाओं, संस्कृतियों, जनजातियों और धर्मों की विविधता के कारण पाया जाता है । इसे विशेष क्षेत्रों में पहचान चिह्नकों के भौगोलिक संकेंद्रण के कारण भी प्रोत्साहन मिलता है और क्षेत्रीय वंचन (deprivation) का भाव अग्नि में घी का काम करता है। भारतीय संघवाद इन क्षेत्रीय भावुकताओं को समायोजित करने वाला एक साधन है । भारत में क्या भारत की भाषाओं, संस्कृतियों, जनजातियों और धर्मों की विविधता के कारण पाया जाता है - (क) क्षेत्रवाद (ख) संघवाद (ग) भाषावाद (घ) जातिवाद	1
9	अभिकथन(A) : स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रारंभ में भारतीय राज्य ने ब्रिटिश भारतीय व्यवस्था को ही अपनाए रखा जिसके अंतर्गत भारत बड़े-बड़े प्रांतों में, जिन्हें 'प्रेसीडेंसी' भी कहा जाता था, बँटा हुआ था। कारण (R) : यह बड़े-बड़े बहुनृजातीय और बहुभाषी प्रांतीय राज्य थे जो भारत संघ कहे जाने वाले अर्द्धसंघीय राज्य की बड़ी-बड़ी राजनीतिक प्रशासनिक इकाइयों के रूप में काम करते थे। (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। (ख) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है। (ग) A सही है लेकिन R गलत है। (घ) A गलत है और R सही है।	1
10	संविदा खेती के विषय में इनमें से क्या सही नहीं है - (क) 'संविदा खेती' में किसान और कंपनी के बीच समझौता होता है । (ख) इस पद्धति में कंपनियाँ उगाई जाने वाली फसलों की पहचान करती हैं । (ग) कंपनियाँ निवेश करती हैं । (घ) किसान बाज़ार की ओर से आश्वस्त नहीं रहता है।	1
11	इनमें से कौन - सी कामगार संघ की माँग होती है – (क) नौ घंटे की शिफ्ट हो (ख) मेहनताना वाजिब हो (ग) कार्यावस्था से कोई लेना देना नहीं होता (घ) दस घंटे की शिफ्ट हो	1
12	अभिकथन(A) : एक स्तर पर, एक देश के द्वारा दूसरे देश पर शासन को उपनिवेशवाद माना जाता है। कारण (R) : उपनिवेशवाद के कारण जो परिवर्तन आए वह अत्यधिक गहरे और भेदभावपूर्ण रहे हैं। (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। (ख) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है। (ग) A सही है लेकिन R गलत है। (घ) A गलत है और R सही है।	1

DoE, Delhi

13	अभिकथन(A) : संस्कृतीकरण शब्द की उत्पत्ति एम. एन. श्रीनिवास ने की। कारण (R) : संस्कृतीकरण के बहुआयामी प्रभाव हैं। (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। (ख) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है। (ग) A सही है लेकिन R गलत है। (घ) A गलत है और R सही है।	1
14	___________________________का मुख्य कार्य होता है कामगारों को नियंत्रित रखना और उनसे अधिक काम करवाना। (क) अध्यापक (ख) समाजशास्त्री (ग) राजनीतिज्ञ (घ) मैनेजर	1
15	___________________________कॉफी पीने को सामाजिकता निभाने का एक अवसर मानते हैं । (क) अमरीकी (ख) व्यवसायी (ग) कलाकार (घ) भारतीय	1
16	औद्योगीकरण कुछ स्थानों पर कैसे समानता लाता है ? (क) औद्योगीकरण के कारण विभिन्न जतियों के लोग एक साथ काम करते है । (ख) औद्योगीकरण के द्वारा विभिन्न उत्पादो का निर्माण किया जाता है । (ग)) औद्योगीकरण ने सबको अवसर दिये । (घ) औद्योगीकरण के कारण लोगों को रोज़गार मिलता है ।	1
	खण्ड [ख]	
17	कृषि एवं संस्कृति के बीच एक घनिष्ठ संबंध है। हमारे देश में कृषि की प्रकृति और अभ्यास प्रत्येक क्षेत्र में भिन्न-भिन्न तरह का मिलेगा। ये भिन्नताएँ विभिन्न क्षेत्रीय संस्कृतियों में बिंबित होती हैं। आप कह सकते हैं कि ग्रामीण भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक संरचना दोनों कृषि और कृषिक (एगरेरियन) जीवन पद्धति से बहुत निकटता से जुड़ी हुई है। दिए गए अनुच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें । किस प्रकार कृषि एवं संस्कृति के बीच घनिष्ठ संबंध है ?	2
	अथवा	
	भू-सुधार के कानूनों के अंतर्गत अन्य मुख्य कानून था पट्टेदारी का उन्मूलन और नियंत्रण या नियमन अधिनियम उन्होंने या तो पट्टेदारी को पूरी तरह से हटाने का प्रयत्न किया या किराए के नियम बनाए ताकि पट्टेदार को कुछ सुरक्षा मिल सके। अधिकतर राज्यों में यह कानून कभी भी प्रभावशाली तरीके से लागू नहीं किया गया। पश्चिम बंगाल और केरल में कृषिक संरचना में आमूल चूल परिवर्तन आए जिससे पट्टेदार को भूमि के अधिकार दिए गए । दिए गए अनुच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें । स्वतन्त्रता के बाद सरकार द्वारा लागू किए गए प्रमुख भूमि सुधार कानून कौन से थे ?	2

DoE Delhi

https://www.evidyarthi.in

18	कैसे हरित क्रांति ने क्षेत्रीय असमानताओं में वृद्धि की ?	2
19	डेमोग्राफी (जनसांख्यिकी) क्या है ? इसका शाब्दिक अर्थ बताए ।	2
20	विषमता तथा बहिष्कार के संबंध में सामाजिक क्या है?	2
21	इस बात पर बल देना जरूरी है कि सांप्रदायिकता राजनीति से सरोकार रखती है धर्म से नहीं । यद्यपि संप्रदायवादी धर्म के साथ गहन रूप से जुड़े होते हैं, पर वास्तव में व्यक्तिगत विश्वास और संप्रदायवाद में आवश्यक रूप से कोई संबंध नहीं होता। एक संप्रदायवादी श्रद्धालु हो भी सकता है और नहीं भी एवं श्रद्धालु लोग संप्रदायवादी हो भी सकते हैं और नहीं भी। किंतु सभी संप्रदायवादी धर्म पर आधारित एक राजनीतिक पहचान में अवश्य विश्वास रखते हैं। संप्रदायवाद से आप क्या समझते है ? यह कैसी विचारधारा है ?	2
22	सामाजिक कुरीति से आप क्या समझते है ? समाज में व्याप्त कुरीतियों के बारे में बताए ।	2
23	आधुनिक पश्चिम में पंथनिरपेक्षीकरण का मतलब ऐसी प्रक्रिया है जिसमें धर्म के प्रभाव में कमी आती है। आधुनिकीकरण के सिद्धांत के सभी प्रतिपादक विचारकों की मान्यता रही है कि आधुनिक समाज ज्यादा से ज्यादा पंथनिरपेक्ष होता है। पंथनिरपेक्षीकरण के सभी सूचक मानव के धार्मिक व्यवहार, उनका धार्मिक संस्थानों से संबंध, धार्मिक संस्थानों का सामाजिक तथा भौतिक प्रभाव और लोगों के धर्म में विश्वास करने की सीमा को विचार में लेते हैं। यह माना जाता है कि पंथनिरपेक्षीकरण के सभी सूचक आधुनिक समाज में धार्मिक संस्थानों और लोगों के बीच बढ़ती दूरी के साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं। लेकिन हाल ही में धार्मिक चेतना में अभूतपूर्व वृद्धि और धार्मिक संघर्ष के उदाहरण सामने आए हैं। आधुनिक समाज किस प्रकार पंथनिरपेक्ष होता है । बताए ?	2
24	भारत अभी भी एक कृषि प्रधान देश है। सेवा क्षेत्र— दुकानें, बैंक, आई.टी. उद्योग, होटल्स, और अन्य सेवाओं के क्षेत्र में, अधिक लोग आ रहे हैं और नगरीय मध्यवर्ग की संख्या भी बढ़ रही है, नगरीय मध्यवर्ग के साथ वे मूल्य जो टेलीविजन सीरियलों और फ़िल्मों में दिखाई देते हैं, भी बढ़ रहे हैं। परंतु हम यह भी देखते हैं कि भारत में बहुत कम लोगों के पास सुरक्षित रोज़गार हैं, यहाँ तक कि छोटी संख्या के स्थायी सुरक्षित रोज़गार भी अनुबंधित कामगारों के कारण असुरक्षित होते जा रहे हैं। अब तक सरकारी रोज़गार ही जनसंख्या के अधिकांश लोगों का कल्याण करने का एक बड़ा मार्ग था, लेकिन अब वह भी कम होता जा रहा है। अनुच्छेद को पढ़े और बताए की किस प्रकार सरकारी रोज़गार लोगों का कल्याण करने का एक बड़ा मार्ग था ?	2
	अथवा	
	उदारीकरण की नीति को सरकार ने कब अपनाया ? किस प्रकार उदारीकरण की नीति ने प्रोत्साहित किया ?	2
25	सामाजिक आंदोलनों के कोई दो लक्षण बताए ?	2

DoE Delhi

खण्ड [ग]		
26	सामान्यतः यह सच है कि अधिक विकसित क्षेत्रों के किसान अधिक बाजारोन्मुखी हो रहे थे। कृषि के अधिक व्यापारीकरण के कारण ये ग्रामीण क्षेत्र भी विस्तृत अर्थ व्यवस्था से जुड़ते जा रहे थे। इस प्रक्रिया से मुद्रा का गाँवों की तरफ़ बहाव बढ़ा तथा व्यापार के अवसरों व रोजगार में विस्तार हुआ। कृषि के अधिक व्यापारीकरण ने किस प्रकार ग्रामीण जीवन को प्रभावित किया ?	4
27	उपनिवेशवाद के कारण जाति व्यवस्था में आए परिवर्तनों का उल्लेख करें ।	4
	अथवा	
	किस प्रकार जाति व्यवस्था एक कठोर व्यवस्था है । विस्तार से बताए ।	4
28	सरकार द्वारा कार्य की दशाओं को बेहतर करने के लिए उठाए गए कदमों के विषय में बताए ?	4
29	परिवार हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है । हमारे लिए इसका अस्तित्व स्वतः स्वीकृत है। हम यह भी मानकर चलते हैं कि अन्य लोगों के परिवार भी हमारे परिवार की तरह ही होंगे। तथापि हमने देखा है कि परिवारों की संरचनाएँ भिन्न-भिन्न होती है और यह बदलती भी रहती हैं। यह परिवर्तन कभी-कभी तो आकस्मिक तौर पर होते रहते हैं जब कोई लड़ाई छिड़ जाती है अथवा लोग काम की तलाश में अन्यत्र जा बसते हैं। कभी-कभी यह परिवर्तन किसी विशेष प्रयोजन के लिए किए जाते हैं, जैसे कि जब युवा लोग बुजुर्गों द्वारा उनके लिए जीवन साथी का चुनाव करने के बजाय स्वयं ही अपने जीवन साथी का चुनाव कर लेते हैं। अथवा जब समाज में समलैंगिक प्यार का खुले तौर पर इजहार किया जाता है। परिवार से आप क्या समझते हैं ? आकार के आधार पर परिवार के प्रकार बताये ? 'समलैंगिक प्यार' से आप क्या समझते है ? आप इसे कैसा मानते हैं ?	4
30	आधुनिक काल के अधिकतर भाग में सर्वाधिक जोर विकास पर दिया गया है। दशकों से प्राकृतिक संसाधनों के अनियंत्रित उपयोग तथा विकास के ऐसे प्रतिरूप के निर्माण में, जिससे पहले से ही घटते प्राकृतिक संसाधनों के अधिक शोषण की माँग बढ़ती है, के विषय में बहुत चिंता प्रकट की जाती रही है। विकास के इस प्रतिरूप की इसलिए भी आलोचना हुई है, क्योंकि यह मानता है कि विकास से सभी वर्गों के लोग लाभान्वित होंगे। यथा बड़े बाँध लोगों को उनके घरों और जीवनयापन के स्रोतों से अलग कर देते हैं और उद्योग, कृषकों को उनके घरों और आजीविका से औद्योगिक प्रदूषण के प्रभाव की एक और ही कहानी है। क्या औद्योगिक प्रदूषण ने पारिस्थितिकीय आंदोलन को जन्म दिया ? किस प्रकार चिपको आंदोलन ने पारिस्थितिकीय सुरक्षा के मुद्दे को उठाया ? भारत सरकार ने पारिस्थितिकी में सुधार करने के लिए कौन सी योजनाएँ शुरू की हैं ?	4
31	किसान आंदोलन कब शुरू हुआ ? किसानों ने कौन – कौन से आंदोलन किए और क्यों ?	4
32	ब्रिटिश साम्राज्य की अर्थव्यवस्था में नगरों ने किस तरह की भूमिका निभाई ?	4

DoE Delhi

https://www.evidyarthi.in

खण्ड [घ]

33 (6)

सारणी 2 : भारत की जनसंख्या की आयु संरचना, 1961-2026

वर्ष	आयु वर्ग			जोड़
	0-14 वर्ष	15-59 वर्ष	60 वर्ष से अधिक	
1961	41	53	6	100
1971	42	53	5	100
1981	40	54	6	100
1991	38	56	7	100
2001	34	59	7	100
2011	29	63	8	100
2026	23	64	12	100

टिप्पणी: आयु वर्ग के खानों में उनके हिस्सों का प्रतिशत दिया गया है, हो सकता है कि कहीं पूर्णांकन के कारण इन प्रतिशतांशों का जोड़ 100 न हो।

स्रोत: राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के जनसंख्या प्रक्षेप विषयक तकनीकी समूह के आँकड़ों (1996 और 2006) पर आधारित
1996 की रिपोर्ट के वेबपृष्ठ *https://populationcommission.nic.in/facts1.htm*

दी गई सारणी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें –

(क) भारत की जनसंख्या बहुत जवान कैसे है ?
(ख) देश की संपूर्ण जनसंख्या में 15 वर्ष से कम आयु वाले वर्ग का हिस्सा 1971 में कितना प्रतिशत था और 2011 में कितना प्रतिशत हो गया ?
(ग) 0-14 आयु वर्ग में 2001 में जनसंख्या का कितना प्रतिशत हिस्सा था और यह 2026 में कितना प्रतिशत होने की संभावना है ।

(प्र. 33. दृष्टि बाधित अभ्यर्थियों के लिए)

देश की संपूर्ण जनसंख्या में 15 वर्ष से कम आयु वाले वर्ग का हिस्सा जो 1971 में 42% के सर्वोच्च स्तर पर था घटकर 2011 में 29% के स्तर पर आ गया है । 15-59 के आयु वर्ग का हिस्सा 53% से कुछ बढ़कर 63% हो गया है जबकि 60 वर्ष से ऊपर की आयु वाले वर्ग का हिस्सा बहुत छोटा है लेकिन वह उसी अवधि के दौरान (5% से 7% तक) बढ़ना शुरू हो गया है। लेकिन अगले दो दशकों में भारतीय जनसंख्या की आयु संरचना में काफ़ी परिवर्तन आने की उम्मीद है और यह परिवर्तन अधिकांशतः आयु क्रम के दोनों सिरों पर आएगा। 0-14 आयु वर्ग का हिस्सा लगभग 11% घट जाएगा (यह 2001 में 34% था जो 2026 में घटकर 23% हो जाएगा) जबकि 60 वर्ष से अधिक के आयु वर्ग में लगभग 5% की वृद्धि होगी (यह 2001 के 7% से बढ़कर 2026 में 12% हो जाएगा)।

(क) भारत की जनसंख्या बहुत जवान कैसे है ?
(ख) देश की संपूर्ण जनसंख्या में 15 वर्ष से कम आयु वाले वर्ग का हिस्सा 1971 में कितना प्रतिशत था और 2011 में कितना प्रतिशत हो गया ?
(ग) 0-14 आयु वर्ग में 2001 में जनसंख्या का कितना प्रतिशत हिस्सा था और यह 2026 में कितना प्रतिशत होने की संभावना है ।

34	'स्त्री-पुरुष तुलना' नामक पुस्तक एक महाराष्ट्रीय गृहिणी ताराबाई शिंदे द्वारा लिखी गई थी ,जिसमें पुरुष प्रधान समाज द्वारा अपनाए गए दोहरे मापदंडों का विरोध किया गया था। एक जवान ब्राह्मण विधवा को न्यायालय द्वारा मृत्युदंड दिया गया था, विधवा का अपराध यह था कि उसने अपने नवजात शिशु की हत्या इसलिए कर दी थी क्योंकि वह उसकी नाजायज संतान था; लेकिन जिस पुरुष का वह बच्चा था उसका पता लगाने या उसे दंड देने का कोई प्रयत्न नहीं किया गया था। जब 'स्त्री-पुरुष तुलना' पुस्तक प्रकाशित हुई तो समाज में एक खलबली-सी मच गई। दिये गए अनुच्छेद के आधार पर , निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये - (क) दोहरे मापदंडों से आप क्या समझते हैं ? किस प्रकार ताराबाई शिंदे ने अपनी पुस्तक में दोहरे मापदंडों का विरोध किया ? (ख) 'स्त्री-पुरुष तुलना' पुस्तक ने समाज में एक खलबली-सी क्यों मचा दी ? (ग) समाज सुधार आंदोलन के दो उदाहरण दीजिए ।	6
35	सांस्कृतिक विविधता क्या होती है ? राज्य अकसर सांस्कृतिक विविधता के बारे में शंकालु क्यों होते हैं?	6

DoE,Delhi

https://www.evidyarthi.in